एसडी कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय वर्कशॉप में फिल्म-मेकिंग की बारीकियों से रू-ब-रू हुए छात्र

अमूल्या/देवभूमि मिरर

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के जर्नलिज्म एवं मास कम्युनिकेशन विभाग द्वारा पीएम-उषा योजना के तहत 'इनोवेटिव फिल्म-मेकिंग और क्रिएटिव डायरेक्शन' विषय पर दो दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण की आधुनिक तकनीकों और रचनात्मक निर्देशन की व्यावहारिक समझ प्रदान करना था। वर्कशॉप के दौरान छात्रों को विज़ुअल नैरेटिव, स्टोरी डेवलपमेंट, सीन प्लानिंग तथा फिल्म प्रोडक्शन से जुड़े रचनात्मक निर्णयों की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। सैद्धांतिक जानकारी के साथ-साथ प्रैक्टिकल उदाहरणों के माध्यम से छात्रों को बदलते मीडिया परिदृश्य

को समझने का अवसर मिला। वर्कशॉप में रिसोर्स पर्सन के रूप में फिल्ममेकर, ग्राफिक डिज़ाइनर एवं फोटोग्राफर हरदेव सिंह ने अपने इंडस्ट्री अनुभव साझा किए। उन्होंने फिल्म-मेकिंग से जुड़े तकनीकी पहलुओं, क्रिएटिव अप्रोच और प्रोफेशनल चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। दो दिवसीय वर्कशॉप के दौरान विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण की पूरी प्रक्रिया से रू-ब-रू कराया गया। इसमें आइडिया जनरेशन से लेकर स्क्रिप्ट की परिकल्पना, शॉट कंपोज़िशन, कैमरा एंगल्स, लाइटिंग, साउंड और पोस्ट-प्रोडक्शन की बुनियादी तकनीकों की विस्तार से जानकारी दी गई। वर्कशॉप में इनोवेटिव फिल्म-मेकिंग तकनीकों, क्रिएटिव डायरेक्शन की आधुनिक शैलियों और विज़ुअल प्रभाव को सशक्त बनाने में फोटोग्राफी की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। रिसोर्स पर्सन हरदेव सिंह ने समकालीन सिनेमा और डिजिटल मीडिया कंटेंट में प्रभावशाली स्टोरीटेलिंग, सौंदर्यबोध और मौलिकता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आज के दौर में रचनात्मकता ही सफल फिल्म निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने छात्रों को बताया कि अलग सोच और दमदार प्रस्तुति ही कंटेंट को भीड़ से अलग पहचान दिलाती है। वर्कशॉप के दौरान इंटरएक्टिव लेक्चर्स, ऑडियो-विज़ुअल प्रेज़ेंटेशन और प्रैक्टिकल डेमॉन्स्ट्रेशन के माध्यम से विद्यार्थियों को यह समझाया गया कि किस तरह सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक मीडिया प्रोडक्शन में लागू किया जाता है। सत्रों को जीवंत और प्रभावशाली बनाने के लिए संवादात्मक शैली अपनाई गई, जिससे छात्रों को सीखने का व्यावहारिक अनुभव मिला। विद्यार्थियों ने चर्चा में सक्रिय भागीदारी निभाई, जिज्ञासाएँ रखीं और अपने रचनात्मक विचार साझा किए,

Arth Parkash 30-1-26

एसडी कॉलेज में इनोवेटिव फिल्म-मेकिंग व क्रिएटिव डायरेक्शन पर दो दिन की वर्कशॉप का आयोजन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। गोस्वामी गणेश दत्ता सनातन धर्म कॉलेज, चंडीगढ़ के जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन विभाग ने पीएम-उषा योजना के तहत ÷इनोवेटिव फिल्म-मेकिंग और क्रिएटिव डायरेक्शन÷ पर दो दिन की वर्कशॉप का आयोजन किया। वर्कशॉप का संचालन डॉ. प्रिया चड्ढा ने किया, जिसमें डॉ. गुरजीत कौर और डॉ. दिव्या ज्योति रणदेव आयोजन सचिव रहीं।

सेशन रिसोर्स पर्सन, फिल्ममेकर, ग्राफिक डिज़ाइनर और फोटोग्राफर हरदेव सिंह ने लिए, जो वर्कशॉप में अपने इंडस्ट्री के अनुभव और प्रैक्टिकल जानकारी लेकर आए थे। उन्होंने आज के सिनेमा और डिजिटल मीडिया कंटेंट में कहानी कहने, खूबसूरती और ओरिजिनैलिटी की अहमियत पर भी बात की। वर्कशॉप में इंटरैक्टिव लेक्चर, ऑडियो-विजुअल प्रेजेंटेशन और प्रैक्टिकल डेमोंस्ट्रेशन शामिल थे, जिससे स्टूडेंट्स यह समझ पाए कि असल ज़िंदगी के मीडिया प्रोडक्शन में थ्योरेटिकल कॉन्सेप्ट कैसे लागू होते हैं।

दो दिन के प्रोग्राम के दौरान, छात्रों को फिल्म-मेकिंग के अलग-अलग चरणों से परिचित कराया गया, जिसमें आइडिया जनरेशन, स्क्रिप्ट कॉन्सेप्ट, शॉट कम्पोज़िशन, कैमरा एंगल, लाइटिंग, साउंड और पोस्ट-प्रोडक्शन की बेसिक बातें शामिल थीं। वर्कशॉप का सफल ऑर्गनाइज़ेशन स्किल-बेस्ड एजुकेशन देने के डिपार्टमेंट के कमिटमेंट को दिखाता है और इस वर्कशॉप को छात्रों को फिल्म-मेकिंग और क्रिएटिव डायरेक्शन के बदलते माहौल का गहराई से प्रैक्टिकल अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया था। इसका मकसद छात्रों की विजुअल स्टोरीटेलिंग, नैरेटिव स्ट्रक्चर और फिल्म प्रोडक्शन में शामिल क्रिएटिव फैसले लेने की प्रक्रिया की समझ को मज़बूत करना था। वर्कशॉप में जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन के स्टूडेंट्स ने जोश के साथ हिस्सा लिया और इसके प्रैक्टिकल ओरिएंटेशन के लिए इसकी बहुत तारीफ हुई।

Bhaskar City Life 1-2-26

वर्कशॉप में बताया- एक फिल्म बनाने के पीछे कई लोगों की मेहनत होती है

Creative Workshop

चंडीगढ़ सेक्टर-32 के एसडी कॉलेज में फिल्ममेकिंग व क्रिएटिव डायरेक्शन वर्कशॉप हुई। इसे आर्टिस्ट व आर्ट डायरेक्टर हरदेव सिंह ने कंडक्ट किया।

सिटी रिपोर्टर | चंडीगढ़

एक फिल्म जब बनती है तो उसके पीछे कई लोग, बड़ी टीम और बहुत सारे तकनीकी उपकरण होते हैं। फिल्म सिर्फ वह नहीं, जो स्क्रीन पर दिख रही है। उसके पीछे कई लोगों की मेहनत होती है। जब उसे समझ लेते हैं तब जाकर हम फिल्म की दुनिया को करीब से देख पाते हैं। इसी पर चंडीगढ़ सेक्टर-32 के एसडी कॉलेज में फिल्ममेकिंग व क्रिएटिव डायरेक्शन वर्कशॉप आयोजित हुई। इसमें आर्टिस्ट व आर्ट डायरेक्टर हरदेव सिंह ने बतौर एक्सपर्ट शिरकत की। वे कई इंडिपेंडेंट फिल्में बना चुके हैं और पंजाबी फिल्मों में बतौर आर्ट डायरेक्टर व असिस्टेंट डायरेक्टर काम कर चुके हैं, जैसे डीएसपी देव, जट्ट ब्रदर्स, डाकुआं दा मुंडा 2, ब्लैकिया, हरियाणवी फिल्म 1600 मीटर आदि। वर्कशॉप में स्टूडेंट्स को स्क्रिप्ट राइटिंग के बारे में बात की और उन्होंने बताया कि स्क्रिप्ट लिखते समय सबसे पहले किरदारों की कल्पना की जाती है, फिर सीन बनाए जाते हैं। पहले किरदार और फिर सीन सोचे जाते हैं। डायलॉग के साथ-साथ माहौल को भी स्क्रिप्ट में उतारना होता है। जैसे- सीन दिन का है या रात है, कौन-सा पहर है, धूप है या बारिश। अगर सीन में दो लोगों को दिखाना है, तो दरवाजे का खुलना, उसका रंग, कमरे की दीवारें, किरदारों के कपड़े- हर छोटी-बड़ी बात का ध्यान रखना होगा। इस दौरान हरदेव सिंह ने स्टूडेंट्स को अपनी कहानी सुनाई और समझाया कि शूटिंग के दौरान कौन-से कैमरे और एंगल्स इस्तेमाल किए जाते हैं। साथ ही डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर और आर्ट डायरेक्टर की भूमिकाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान स्टूडेंट्स ने कहानियां लिखनी सीखी और हरदेव सिंह ने उन्हें बेहतर बनाने के टिप्स भी दिए।

दैनिक सवेरा टाइम्स
चंडीगढ़
2 चंडीगढ़, सोमवार, 2 फरवरी 2026
www.dainiksaveratimes.com

एसडी कॉलेज में 2 दिवसीय फिल्म-मेकिंग वर्कशॉप करवाई

इनोवेटिव फिल्म-मेकिंग और क्रिएटिव डायरेक्शन विषय पर दो दिवसीय वर्कशॉप में हरदेव सिंह छात्रों से जानकारी साझा करते हुए।

सवेरा न्यूज / राकेश शर्मा चंडीगढ़, 1 फरवरी: गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज 32 के जर्नलिज्म एवं मास कम्युनिकेशन विभाग द्वारा पीएम-उषा योजना के तहत इनोवेटिव फिल्म-मेकिंग और क्रिएटिव डायरेक्शन विषय पर दो दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण की आधुनिक तकनीकों और रचनात्मक निर्देशन की व्यावहारिक समझ प्रदान करना था। वर्कशॉप के दौरान छात्रों को विजुअल नैरेटिव, स्टोरी डेवलपमेंट, सीन प्लानिंग तथा फिल्म प्रोडक्शन से जुड़े रचनात्मक निर्णयों की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। सैद्धांतिक जानकारी के साथ-साथ प्रैक्टिकल उदाहरणों के माध्यम से छात्रों को बदलते मीडिया परिदृश्य को समझने का अवसर मिला। वर्कशॉप में रिसोर्स पर्सन के रूप में फिल्ममेकर, ग्राफिक डिज़ाइनर एवं फोटोग्राफर हरदेव सिंह ने अपने इंडस्ट्री अनुभव साझा किए। उन्होंने फिल्म-मेकिंग से जुड़े तकनीकी पहलुओं, क्रिएटिव अप्रोच और प्रोफेशनल चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। दो दिवसीय वर्कशॉप के दौरान विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण की पूरी प्रक्रिया से रू-ब-रू कराया गया। इसमें आइडिया जनरेशन से लेकर स्क्रिप्ट की परिकल्पना, शॉट कंपोज़िशन, कैमरा एंगल्स, लाइटिंग, साउंड और पोस्ट-प्रोडक्शन की बुनियादी तकनीकों की विस्तार से जानकारी दी गई। वर्कशॉप में इनोवेटिव फिल्म-मेकिंग तकनीकों, क्रिएटिव डायरेक्शन की आधुनिक शैलियों और विजुअल प्रभाव को सशक्त बनाने में फोटोग्राफी की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। रिसोर्स पर्सन हरदेव सिंह ने समकालीन सिनेमा और डिजिटल मीडिया कंटेंट में प्रभावशाली स्टोरीटेलिंग, सौंदर्यबोध और मौलिकता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आज के दौर में रचनात्मकता ही सफल फिल्म निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। वर्कशॉप का संयोजन डॉ. प्रिया चड्ढा द्वारा किया गया, जबकि डॉ. गुरजीत कौर और डॉ. दिव्या ज्योति रांदेव ने आयोजन सचिव की भूमिका निभाई।

Divya Himachal 2-2-26

सेक्टर-32 में स्टोरी डिवेल्पमेंट पर चर्चा

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के जर्नलिज्म एवं मास कम्युनिकेशन विभाग द्वारा पीएम उषा योजना के तहत इनोवेटिव फिल्म मेकिंग और क्रिएटिव डायरेक्शन विषय पर दो दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण की आधुनिक तकनीकों और रचनात्मक निर्देशन की व्यावहारिक समझ प्रदान करना था। वर्कशॉप के दौरान छात्रों को विजुअल नैरेटिव, स्टोरी डिवेल्पमेंट, सीन प्लानिंग तथा फिल्म प्रोडक्शन से जुड़े रचनात्मक निर्णयों की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। सैद्धांतिक जानकारी के साथ-साथ प्रैक्टिकल उदाहरणों के माध्यम से छात्रों को बदलते मीडिया परिदृश्य को समझने का अवसर मिला। वर्कशॉप में रिसोर्स पर्सन के रूप में फिल्ममेकर, ग्राफिक डिज़ाइनर एवं फोटोग्राफर हरदेव सिंह ने अपने इंडस्ट्री अनुभव साझा किए। उन्होंने फिल्म-मेकिंग से जुड़े तकनीकी, क्रिएटिव अप्रोच और प्रोफेशनल चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

Divya Himachal 3-2-26

एसडी कालेज में क्रिएटिव डायरेक्शन वर्कशॉप

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के जर्नलिज्म एवं मास कम्युनिकेशन विभाग द्वारा पीएम उषा योजना के तहत इनोवेटिव फिल्म मेकिंग और क्रिएटिव डायरेक्शन विषय पर दो दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण की आधुनिक तकनीकों और रचनात्मक निर्देशन की व्यावहारिक समझ प्रदान करना था। वर्कशॉप के दौरान छात्रों को विजुअल नैरेटिव, स्टोरी डिवेलपमेंट, सीन प्लानिंग तथा फिल्म प्रोडक्शन से जुड़े रचनात्मक निर्णयों की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। सैद्धांतिक जानकारी के साथ-साथ प्रैक्टिकल उदाहरणों के माध्यम से छात्रों को बदलते मीडिया परिदृश्य को समझने का अवसर मिला। वर्कशॉप में रिसोर्स पर्सन के रूप में फिल्ममेकर, ग्राफिक डिज़ाइनर एवं फोटोग्राफर हरदेव सिंह ने अपने इंडस्ट्री अनुभव साझा किए। उन्होंने फिल्म मेकिंग से जुड़े तकनीकी पहलुओं, क्रिएटिव अप्रोच और प्रोफेशनल चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यशाला आज के दौर में रचनात्मकता ही सफल फिल्म निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है: हरदेव सिंह

फिल्म-मेकिंग की बारीकियों से रू-ब-रू हुए छात्र

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के जर्नलिज्म एवं मास कम्युनिकेशन विभाग द्वारा पीएम-उषा योजना के तहत 'इनोवेटिव फिल्म-मेकिंग और क्रिएटिव डायरेक्शन' विषय पर दो दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण की आधुनिक तकनीकों और रचनात्मक निर्देशन की व्यावहारिक समझ प्रदान करना था। वर्कशॉप के दौरान छात्रों को विजुअल नैरेटिव, स्टोरी डेवलपमेंट, सीन प्लानिंग तथा फिल्म प्रोडक्शन से जुड़े रचनात्मक निर्णयों की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। सैद्धांतिक जानकारी के साथ-साथ प्रैक्टिकल उदाहरणों के माध्यम से छात्रों को बदलते मीडिया परिदृश्य को समझने का अवसर मिला।

वर्कशॉप में रिसोर्स पर्सन के रूप में फिल्ममेकर, ग्राफिक डिज़ाइनर एवं फोटोग्राफर हरदेव सिंह ने अपने इंडस्ट्री अनुभव साझा किए। उन्होंने फिल्म-मेकिंग से जुड़े तकनीकी पहलुओं, क्रिएटिव अप्रोच और प्रोफेशनल चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। दो दिवसीय वर्कशॉप के दौरान विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण की पूरी प्रक्रिया से रू-ब-रू कराया गया। इसमें आइडिया जनरेशन से लेकर स्क्रिप्ट की परिकल्पना, शॉट कंपोज़िशन, कैमरा एंगल्स, लाइटिंग, साउंड और पोस्ट-प्रोडक्शन की बुनियादी तकनीकों की विस्तार से जानकारी दी गई। वर्कशॉप में इनोवेटिव फिल्म-मेकिंग तकनीकों, क्रिएटिव डायरेक्शन की आधुनिक शैलियों और विजुअल प्रभाव को सशक्त बनाने में फोटोग्राफी की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। रिसोर्स पर्सन हरदेव सिंह ने समकालीन सिनेमा और डिजिटल मीडिया कंटेंट में प्रभावशाली स्टोरीटेलिंग, सौंदर्यबोध और मौलिकता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आज के दौर में रचनात्मकता ही सफल फिल्म निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने छात्रों को बताया कि अलग सोच और दमदार प्रस्तुति ही कंटेंट को भीड़ से अलग पहचान दिलाती है।

वर्कशॉप के दौरान इंटरएक्टिव लेक्चर्स, ऑडियो-विजुअल प्रेज़ेंटेशन और प्रैक्टिकल डेमॉन्स्ट्रेशन के माध्यम से विद्यार्थियों को यह समझाया गया कि किस तरह सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक मीडिया प्रोडक्शन में लागू किया जाता है। सत्रों को जीवंत और प्रभावशाली बनाने के लिए संवादात्मक शैली अपनाई गई, जिससे छात्रों को सीखने का व्यावहारिक अनुभव मिला। विद्यार्थियों ने चर्चा में सक्रिय भागीदारी निभाई, जिज्ञासाएँ रखीं और अपने रचनात्मक विचार साझा किए, जिससे पूरा वातावरण सीखने और नवाचार से भर गया।

हैंड्स-ऑन अप्रोच ने छात्रों को नए नजरिए तलाशने के लिए प्रेरित किया और उनके भीतर फिल्म, टेलीविजन एवं डिजिटल मीडिया के क्षेत्र में करियर के लिए आवश्यक क्रिएटिव माइंडसेट को मजबूती प्रदान की।

Punjab Kesari 3-2-26

फिल्म मेकिंग की बारीकियों से रू-ब-रू हुए छात्र

चंडीगढ़, 2 फरवरी (आशीष): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के जर्नलिज्म एवं मास कम्युनिकेशन विभाग द्वारा पीएम-उषा योजना के तहत इनोवेटिव फिल्म-मेकिंग और क्रिएटिव डायरेक्शन विषय पर दो दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप के दौरान छात्रों को विजुअल नैरेटिव, स्टोरी डेवलपमैंट, सीन प्लानिंग तथा फिल्म प्रोडक्शन से जुड़े रचनात्मक निर्णयों की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। सैद्धांतिक जानकारी के साथ-साथ प्रैक्टिकल उदाहरणों के माध्यम से छात्रों को बदलते मीडिया परिदृश्य को समझने का अवसर मिला।

एसडी कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय वर्कशॉप में फिल्म-मेकिंग की बारीकियों से रू-ब-रू हुए छात्र

चंडीगढ़, स्टेट समाचार

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के जर्नलिज्म एवं मास कम्युनिकेशन विभाग द्वारा पीएम-उषा योजना के तहत 'इनोवेटिव फिल्म-मेकिंग और क्रिएटिव डायरेक्शन' विषय पर दो दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण की आधुनिक तकनीकों और रचनात्मक निर्देशन की व्यावहारिक समझ प्रदान करना था। वर्कशॉप के दौरान छात्रों को विजुअल नैरेटिव, स्टोरी डेवलपमेंट, सीन प्लानिंग तथा फिल्म प्रोडक्शन से जुड़े रचनात्मक निर्णयों की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। सैद्धांतिक जानकारी के साथ-साथ प्रैक्टिकल उदाहरणों के माध्यम से छात्रों को बदलते मीडिया परिदृश्य को समझने का अवसर मिला। वर्कशॉप में रिसोर्स पर्सन के रूप में फिल्ममेकर, ग्राफिक डिज़ाइनर एवं फोटोग्राफर हरदेव सिंह ने अपने इंडस्ट्री अनुभव साझा किए। उन्होंने फिल्म-मेकिंग से जुड़े तकनीकी पहलुओं, क्रिएटिव अप्रोच और प्रोफेशनल चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। दो दिवसीय वर्कशॉप के दौरान विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण की पूरी प्रक्रिया से रू-ब-रू कराया गया। इसमें आइडिया जनरेशन से लेकर स्क्रिप्ट की परिकल्पना, शॉट कंपोज़िशन, कैमरा एंगल्स, लाइटिंग, साउंड और पोस्ट-प्रोडक्शन की बुनियादी तकनीकों की विस्तार से जानकारी दी गई। वर्कशॉप में इनोवेटिव फिल्म-मेकिंग तकनीकों, क्रिएटिव डायरेक्शन की आधुनिक शैलियों और विजुअल प्रभाव को सशक्त बनाने में फोटोग्राफी की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। रिसोर्स पर्सन हरदेव सिंह ने समकालीन सिनेमा और डिजिटल मीडिया कंटेंट में प्रभावशाली स्टोरीटेलिंग, सौंदर्यबोध और मौलिकता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आज के दौर में रचनात्मकता ही सफल फिल्म निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने छात्रों को बताया कि अलग सोच और दमदार प्रस्तुति ही कंटेंट को भीड़ से अलग पहचान दिलाती है। वर्कशॉप के दौरान इंटरएक्टिव लेक्चर्स, ऑडियो-विजुअल प्रेज़ेंटेशन और प्रैक्टिकल डेमॉन्स्ट्रेशन के माध्यम से विद्यार्थियों को यह समझाया गया कि किस तरह सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक मीडिया प्रोडक्शन में लागू किया जाता है।